ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 30 सितम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 163

77वे विजयादशमी महोत्सव के अतिथियों के नाम तय, गूंजेगी रामभक्ति, 70 फीट ऊँचा रावण होगा आकर्षण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर इस बार एक बार फिर धर्म, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत संगम देखने जा रही है। श्री सनातन धर्म सेवा समिति और श्री बिलोचिस्तान पंचायत, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आगामी गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025 को विजयादशमी महोत्सव भव्य आयोजन और गरिमामयी परंपराओं के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष का पर्व विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह 77वां विजयादशमी महोत्सव है, जिसमें नगरवासी धर्म, संस्कृति और एकता का संदेश पाएंगे।

शोभायात्रा से होगी शुरुआत

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव की शुरुआत भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान की अलौकिक झांकियों से सुसज्जित विशाल शोभायात्रा से होगी। ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की ताल पर यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्रद्धा और उत्साह का माहौल बनाएगी। शोभायात्रा में विभिन्न समाजों और संस्थाओं की झांकियाँ भी शामिल होंगी, जिनमें मेवाड़ पालीवाल समाज, आश्रय समाज, विप्र फाउंडेशन, इस्कॉन-हरे कृष्णा मूवमेंट, भोपालपुरा युवा संगठन, मेवाड़ सिंधु ब्रिगेड, ओंकारेश्वर व्यायामशाला और अन्य संगठनों की सहभागिता रहेगी। यह शोभायात्रा शक्ति नगर स्थित सनातन मंदिर से दोपहर 3:30 बजे प्रारंभ होगी और शाम 5:30 बजे गांधी ग्राउंड पहुंचेगी। यहाँ परिक्रमा के बाद 6:30 बजे आतिशबाजी और 7:00 बजे लंका दहन होगा। 7:15 बजे रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाएगा। 70 फीट ऊँचा रावण, आतिशबाजी का अद्भुत नज़ारा बिलोचिस्तान पंचायत उपाध्यक्ष मनोज कटारिया ने बताया कि इस वर्ष का मुख्य आकर्षण 70 फीट ऊँचा रावण पुतला रहेगा। बांस की 100 फीट लंबी टहनियों से तैयार इस विशाल पुतले को खास आतिशबाजी और प्रकाश सज्जा से सजाया गया है। आतिशबाजी का नज़ारा आकाश को रंगीन करेगा और पूरा गांधी ग्राउंड जयघोषों से गूंज उठेगा।

विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी

समिति के सचिव नरेंद्र क्थूरिया ने बताया कि इस बार महोत्सव में कई गणमान्य हस्तियाँ शिरकत करेंगी। इनमें प्रमुख हैं मन्नालाल रावत (सांसद, उदयपुर लोकसभा) चुन्नीलाल गरासिया (सांसद, राज्यसभा) गजपाल सिंह राठौड़ (जिलाध्यक्ष, भाजपा, उदयपुर) फतहसिंह राठौड़ (जिलाध्यक्ष, कांग्रेस, उदयपुर) ताराचंद जैन (विधायक, उदयपुर शहर) प्रमोद सामर (प्रदेश संयोजक, सहकारी प्रकोष्ठ) इसके अतिरिक्त समाजसेवी सलिल सिंगल, अरविंद सिंगल, भीमनदास तलरेजा सहित कई धार्मिक संत-पुरुष भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

सुरक्षा और व्यवस्थाएँ

समिति के अध्यक्ष नानकराम कस्तूरी और महासचिव विजय आहुजा ने बताया कि आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। सुरक्षा और यातायात नियंत्रण के लिए विशेष समितियाँ गठित की गई हैं। दर्शकों के लिए पार्किंग व्यवस्था और एलईडी स्क्रीन का प्रबंध किया गया है। महिला व युवा टीमें सेवा और प्रबंधन कार्यों में सहयोग देंगी।

आयोजन समिति की अपील

वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश तलदार ने कहा "विजयादशमी केवल रावण दहन का पर्व नहीं है, बल्कि यह धर्म पर अधर्म की विजय और असत्य पर सत्य की स्थापना का प्रतीक है। भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारकर हमें भाईचारे, सद्भाव और धर्मनिष्ठा की भावना को मजबूत करना चाहिए।"

RBI के नए नियमों से लोन सस्ते हो सकते हैं: ज्वेलर्स को सोने-चांदी पर लोन लेना आसान होगा, क्रेडिट रिपोर्ट हर हफ्ते अपडेट करने का प्रस्ताव

24 न्यूज अपडेट

आने वाले दिनो में लोन सस्ते हो सकते हैं। RBI ने लोन और बैंकों के लिए पूंजी जुटाने से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। इनमें से तीन बदलाव 1 अक्टूबर से लागू होंगे, जबकि अन्य प्रस्तावों पर 20 अक्टूबर 2025 तक जनता की राय मांगी है।

सबसे अहम बदलाव फ्लोटिंग लोन की ब्याज दरों से जुड़ा है। मौजूदा नियमों में बैंक बाहरी बेंचमार्क पर स्प्रेड को सिर्फ तीन साल में एक बार बदल सकते थे।

इससे लोन लेने वाले को बाजार की स्थिति बेहतर होने पर फायदा नहीं मिलता था। नए नियमों में बैंकों को स्प्रेड जल्दी कम करने की छूट मिलेगी। इससे ब्याज दर कम हो सकती है।

वहीं पहले जब बैंक फ्लोटिंग रेट लोन की ब्याज दर में बदलाव करते थे, तो उन्हें ग्राहक को फिक्स्ड रेट का विकल्प देना पड़ता था।

अब नए नियमों में बैंकों को यह तय करने की ज्यादा आजादी होगी कि वे फिक्स्ड रेट का आप्शन दें या नहीं। इससे बैंकों को अपनी उधार देने की प्रक्रिया में बदलाव की आजादी मिलेगी।

अपनी राय RBI के "कनेक्ट 2 रेगुलेट" पोर्टल या डिपार्टमेंट ऑफ रेगुलेशन को ईमेल के जरिए 20 अक्टूबर तक भेज सकते हैं।

सेंसेक्स 97 अंक गिरकर 80,267 के स्तर पर बंद: निफ्टी भी 23 अंक टूटा, मीडिया सेक्टर में 1% की गिरावट रही

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार, 30 सितंबर को शेयर बाजार गिरकर बंद हुआ। सेंसेक्स 97 अंक गिरकर 80,267 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 23 अंक की गिरावट रही, ये 24,611 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 शेयर्स में तेजी और 14 शेयर्स में गिरावट रही।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स अपने ऊपरी स्तर से 450 अंक और निफ्टी भी डे हाई से 130 अंक की गिरा था। वहीं सुबह सेंसेक्स में 300 अंक और निफ्टी में 100 अंक की तेजी देखने को मिली थी।

मीडिया सेक्टर में 1% की गिरावट रही

NSE के PSU बैंक सेक्टर में करीब 2% की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा मेटल, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज और प्राइवेट बैंक सेक्टर में भी तेजी रही। वहीं मीडिया सेक्टर में 1% से ज्यादा की गिरावट रही। FMCG, IT, रियल्टी, फार्मा, ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर में भी गिरावट रही।

जयपुर में बारिश से रावण पुतलों का लाखों का नुकसान: कारीगर बोले-कल बुकिंग वाले आएंगे तो हम उनको क्या देंगे?? मेहनत पानी में बह गई"

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजधानी जयपुर में मंगलवार शाम हुई तेज बारिश ने दशहरे की तैयारियों पर पानी फेर दिया। जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया तो वहीं गुर्जर की थड़ी क्षेत्र में दशहरे के लिए तैयार किए जा रहे रावण के पुतले भीगकर बर्बाद हो गए। इन पुतलों को बनाने में लगे कारीगरों की महीनों की मेहनत और लाखों रुपए का खर्च बारिश में डूब गया। "अब बुकिंग वालों को क्या देंगे?" गुजरात से आए कारीगर विशाल भाई और उनका पूरा परिवार दो महीने से जयपुर में रावण पुतले बनाने का काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने पहले ही बुकिंग करा रखी थी। "दो महीने से दिन-रात सड़क पर रहकर पुतले बना रहे थे ताकि आपका त्योहार भव्य बने। लेकिन बारिश ने सब कुछ बिगाड़ दिया। अब बुकिंग वालों को क्या देंगे? पुतले पूरी तरह खराब हो चुके हैं। दोबारा बनाने में और ज्यादा खर्च होगा।" बारिश से लाखों का नुकसान कारीगरों ने बताया कि वे हर साल गुजरात से आकर जयपुर में रावण के पुतले बनाते हैं। लेकिन इस बार अचानक हुई बारिश ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। सड़क पर पानी भरने के कारण तैयार पुतले कीचड़ और गंदगी में भीगकर नष्ट हो गए। "हमारे लिए सरकार कोई स्थायी व्यवस्था कर देती तो यह नुकसान नहीं होता। हर साल हम सड़क पर रहकर काम करते हैं, लेकिन इस बार बारिश ने हमें बर्बाद कर दिया," कारीगरों ने गुस्से और दर्द के बीच कहा।

त्योहार की तैयारियों पर असर

तेज बारिश से जहां आमजन को शहर में जलभराव की समस्या से जूझना पड़ा, वहीं दशहरे से पहले पुतलों के खराब हो जाने से आयोजकों और खरीदारों की भी चिंता बढ़ गई है। अब सवाल है कि आख़िर समय में नए पुतले कैसे तैयार होंगे और किस तरह से रावण दहन का आयोजन समय पर पूरा हो पाएगा।

PCB चीफ बोले– मैं कार्टून की तरह खड़ा था: BCCI के सवाल पर कहा– भारत मुझसे एशिया कप ट्रॉफी नहीं लेगा, ये नहीं बताया गया

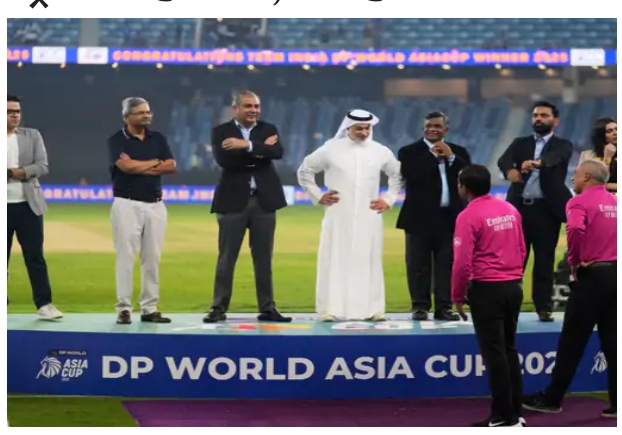

24 न्यूज अपडेट

एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) के दुबई हेडक्वार्टर में मंगलवार को एनुअल जनरल मीटिंग हुई। मीटिंग में आज भारत ने एशिया कप फाइनल के दौरान ट्रॉफी न देने का कड़ा विरोध किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- बैठक के दौरान मोहसिन नकवी ने सफाई दी कि ACC को लिखित में कहीं से यह सूचना नहीं दी गई थी कि भारतीय टीम मुझसे ट्रॉफी नहीं लेगी। मैं तो वहां बिना वजह एक कार्टून की तरह खड़ा था।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ल ने बैठक में ACC और PCB चीफ मोहसिन नकवी से पूछा था कि विजेता टीम को ट्रॉफी क्यों नहीं दी गई? यह ACC की ट्रॉफी है, इसे औपचारिक तरीके से विजेता टीम को सौंपा जाना चाहिए था।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार- ACC के प्रमुख मेंबर्स के साथ भारत के राजीव शुक्ला और आशीष शेलार भी मौजूद रहे। दोनों वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मीटिंग में जुड़े। मीटिंग में ये फैसला लिया गया कि काउंसिल के टेस्ट प्लेइंग मेंबर भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश तय करेंगे कि ट्रॉफी देनी है या नहीं।

सोना 1.15 लाख प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा: इस साल अब तक दाम 39,000 बढ़े; चांदी 1.42 लाख प्रति किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम आज यानी 30 सितंबर को अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,16,903 रुपए पर ओपन हुआ था। हालांकि ये बाद में थोड़ा गिरकर 1,15,349 रुपए पर बंद हुआ। इसी तरह चांदी सुबह 1,45,060 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी। इसके बाद ये 1,42,434 रुपए पर बंद हुई।

सेवामहातीर्थ में गूंजी माँ की आरती, 101 दिव्यांग कन्याओं का हुआ पूजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 सितम्बर। नारायण सेवा संस्थान में दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर करुणामयी मां महागौरी सहित मां दुर्गा के सभी नौ स्वरूपों की विधि-विधान से आराधना की गई। इस अवसर पर संस्थान के लियों का गुड़ा स्थित सेवा महातीर्थ परिसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें 101 दिव्यांग कन्याओं का पूजन कर उनके सुखद उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बड़गांव उपखण्ड की एसडीएम लतिका पालीवाल, संस्थान संस्थापक कैलाश 'मानव', विशिष्ट अतिथि विजयलक्ष्मी पालीवाल और निदेशक वंदना अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कन्याओं का पूजन किया। इससे पहले मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की भव्य आरती उतारी गई। इसके बाद कन्याओं को उपहार प्रदान किए गए और उन्हें हलवा, पूरी, खीर और चने का प्रसाद खिलाया गया। इन सभी कन्याओं को संस्थान में नवरात्रि के दौरान निःशुल्क दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। मुख्य अतिथि लतिका पालीवाल ने कहा "नवरात्र केवल उपवास और पूजा का पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, परोपकार और प्रकृति से जुड़ने का सशक्त अवसर है। दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मनिर्भरता और सम्मान लाने का जो कार्य नारायण सेवा संस्थान कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्पद है।" प्रारंभ में संस्थापक कैलाश 'मानव' और निदेशक वंदना अग्रवाल ने अतिथियों का पगड़ी,शाल, उपरणा और प्रतीक-चिह्न भेंट कर स्वागत किया। पूजन के दौरान कन्याओं के चेहरों पर खुशी झलक रही थी। निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया गया कि संस्थान विगत 21 साल से कन्या पूजन करता आ रहा है। दिव्यांग कन्याओं को नियमित चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, ताकि वे अपने जीवन को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा सकें। समारोह में जनसंपर्क प्रमुख भगवान प्रसाद गौड़, विष्णु शर्मा हितैषी, कुलदीप सिंह शेखावत व महिम जैन मौजूद रहे।

संपादकीय : सख्ती के समांतर

लद्दाख के लेह में जिस तरह के हालात पैदा हुए, उसके बाद केंद्र सरकार शांति कायम करने के लिए सभी स्तरों पर कार्रवाई कर रही है। मगर इसके साथ कुछ सवाल भी उठे हैं कि आखिर वहां के लोगों के सामने ऐसी स्थिति क्यों आई कि उन्हें अपनी मांगों को लेकर लेह में आंदोलन पर उतरना पड़ा। उसी दौरान किन्हीं कारणों से वहां जमा लोगों ने अपना धीरज खो दिया और व्यापक अराजकता का माहौल बन गया, तो उसे संभालने के लिए सरकार की ओर से कार्रवाई को एक हद तक जरूरी माना जा सकता है। मगर क्या इस पर भी विचार करने की जरूरत नहीं है कि लेह में आंदोलनकारियों की मांगों की पृष्ठभूमि क्या है और उसे पूरा किया जाना क्यों तथा किस हद तक जरूरी है ? गौरतलब है कि पिछले हफ्ते लेह में आंदोलन के दौरान लोगों के अराजक हो जाने के बाद पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की जान चली गई और हिंसा में कई लोग बुरी तरह घायल हो गए। फिर वहां के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार करके लद्दाख से बाहर भेज दिया गया। इस कार्रवाई को लद्दाख में फिर अराजकता या किसी साजिश की आशंका के मद्देनजर एहतियाती कदम के तौर पर देखा जा रहा है। मगर सवाल है कि अगर इस आंदोलन की पृष्ठभूमि पिछले कई वर्षों से बन रही थी, तो उसे समय रहते संबोधित करना और किसी ऐसे हल का खाका तैयार करना सरकार को जरूरी क्यों नहीं लगा, जिसमें सभी पक्षों की सहमति हो। लेह में आंदोलन कर रहे लोगों की मुख्य मांगें वही थी, जिसके लिए कई वर्ष पहले उनसे वादा किया गया था। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा देने की मांग के साथ शुरू हुए आंदोलन के मुद्दे नए नहीं थे। मगर लगातार इस मसले पर टालमटोल और वहां के संबंधित पक्षों से ठोस बातचीत को लेकर सरकार की उदासीनता ने एक ऐसी पृष्ठभूमि बनाई कि उसमें स्थानीय युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दे भी शामिल हो गए। जाहिर है, एक ऐसी स्थिति बन रही थी, जिसमें आंदोलनकारियों के बीच मौजूद कुछ अवांछित तत्वों के अराजक हो जाने की आशंका थी। मगर न तो संवाद को प्राथमिकता देकर हल खोजने की कोशिश की गई और न ही स्थानीय आबादी को विश्वास में लिया गया। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि लोकतांत्रिक तरीके से चल रहे आंदोलन के समांतर व्यापक हिंसा हुई, मगर वहां के खुफिया तंत्र को शायद इसकी भनक नहीं लगी। जबकि चीन की सीमा के पास स्थित होने की वजह से लद्दाख को बेहद संवेदनशील इलाके के तौर पर देखा जाता है और वहां की हर संभावित परिस्थिति का आकलन करके जरूरी कदम उठाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्थानीय तकाजों के मुताबिक उठे मुद्दों की बहुस्तरीय अनदेखी और उसके प्रति उदासीनता का नतीजा यह हुआ कि पर्यटन को आकर्षित करने और शांतिपूर्ण जीवन तथा संस्कृति की पहचान वाले उस इलाके में हुए आंदोलन के बीच अराजकता और हिंसा ने भी अपने पांव फैला लिए। अब लेह के प्रदर्शनकारियों को लेकर कई तरह की आशंकाएं और संदेह जताए जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि अब तक इस संबंध में सरकार ने जांच करने की जरूरत शायद नहीं समझी थी। अब भी अगर सरकार स्थानीय आबादी की मुख्य मांगों के संदर्भ में ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाए, तो किसी भी साजिश को अंजाम देना संभव नहीं हो सकता !

हादसे का सिलसिला

किसी भी राजनीतिक रैली के चैरान यह कोशिश की जाती है कि सभा को सफल बताने के लिए वहां ज्यादा से ज्यादा लोग पहुंचें, लेकिन इस बात का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा जाता कि भारी संख्या में लोगों के जमावड़े के बाद अगर भगदड़ जैसे हालात पैदा हुए तो उसे संभालने के लिए क्या व्यवस्था होगी। तमिलनाडु के करूर में शनिवार को एक रैली के दौरान भगदड़ मचने की वजह से कम से कम चालीस लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की घटना एक बार फिर आयोजन और व्यवस्था को लेकर बरती गई व्यापक लापरवाही का नतीजा लगती है। तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजय के लिए रैली का आयोजन करने वालों को यह अंदाजा जरूर होना चाहिए था कि कितनी संख्या में लोग वहां पहुंचेंगे। फिर भाषण देने के लिए विजय के पहुंचने में देरी की वजह से वहां इंतजार कर रहे 25 हजार से ज्यादा लोगों के बीच अफरा-तफरी मचने की आशंका बनी हुई थी। मगर इसे भांप कर पहले ही हादसे की स्थिति पैदा होने से रोकने के लिए आयोजकों की ओर से कुछ भी नहीं किया गया। सवाल है कि जब राजनीतिक रैलियों या धार्मिक आयोजनों के लिए आम लोगों के बड़े जमावड़े में बार-बार भगदड़ मचने की वजह से त्रासद हादसे लगातार सामने आ रहे हों, वैसे समय में भीड़ प्रबंधन को लेकर इस तरह की लापरवाही को कैसे देखा जाएगा। किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि हर स्तर पर ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि फिर वैसी घटना न हो। मगर विडंबना यह है कि न तो प्रशासन और न ही आयोजन में शामिल समूहों या लोगों को एहतियात बरतने की जरूरत लगती है। इसी का नतीजा है कि हर कुछ दिनों बाद किसी राजनीतिक रैली या धार्मिक आयोजन के दौरान व्यापक अव्यवस्था और लापरवाही की वजह से नाहक ही लोगों की जान चली जाती है और बड़े पैमाने पर लोग घायल होते हैं। हादसों के बाद जांच की घोषणाएं तो की जाती हैं, लेकिन उनका नतीजा क्या निकलता है, किसे दोषी ठहराया जाता है और क्या कार्रवाई की जाती है, इस बारे में जनता को बताना जरूरी नहीं समझा जाता। यह बेवजह नहीं है कि अक्सर होने वाले हादसे अब अफसोसनाक सिलसिला बन चुके हैं।

ज्वारा विसर्जन में उमडा श्रद्धा का सैलाब, इन्द्रदेव ने बारसाई कृपा

रिमझीम बारीश के बीच हुआ ज्वारा विसर्जन

पूरे रास्ते पुष्प वर्षा से हुआ शोभायात्रा का स्वागत, नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रा का हुआ समापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 30 सितम्बर / गणेश नगर स्थित कालका माता मंदिर में मंगलवार को शोभायात्रा के रूप में गाजे बाजे के साथ आयड स्थित गंगा के चैथे पाये गंगु कुंड पर शुभ मुहूर्त में विधि विधान के साथ ज्वारा विसर्जन किया गया। बड़ी संख्यॉ में भक्तों ने भाग लिया। शोभायात्रा का पूरे रास्ते पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। मंदिर पुजारी देवेन्द्र सिंह गोड़ ने बताया कि शोभायात्रा के आगे बेंड अपनी मधूर स्वरों के साथ माता के भजनों को गाते चल रहे थे उसके पिछे घोडा बग्गी में छोटी छोटी कन्याए माताजी, गणेश, शिव की वेशभूषा में सभी को आशीर्वाद दे रही थी। उसके पिछे महिलाएं अपने सीर पर ज्वारा लेकर चल रही थी। शोभायात्रा के आगे कालका मित्र मंडल के कार्यकर्ता पूरे रास्ते सफाई करते हुए चलते हुए आमजन को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया। शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से होती हुई आदर्श नगर, भास्कर कॉलोनी, बेकनी पुलिया होते हुए गंगा के चैथे पाये गंगु कुंड पर पहुंची जहा विधि विधान के साथ जवारा विर्सजन किया गया। इन्होने किया स्वागतः- प्रवक्ता कृष्णकांत कुमावत ने बताया कि शोभायात्रा का रॉयल इस्टीट्यूट के डॉ. गिरधारी कुमावत, डॉ. बंशीवाल क्लिनिक, अंकिता आयुर्वेदा, नवदीव नवयुवक मंडल भरत वैष्णव, द सक्सेस पोईंट के दिलिप यादव, महेन्द्र सिंह , भारतीय जनता पार्टी शहर जिला के गजपाल सिंह राठौड़, रोहित जोशी, पुनम चाट, बजरंग सेना मेवाड़ के संस्थापक कमलेन्द्र सिंह पंवार, जितेन्द्र जैन, आनंदी लाल चितौडा, शर्मा ट्रावेल्स विजय शर्मा , मनोहर चैधरी, नितिन चितौडा, कल्याण सिंह राव, सुर्यप्रकाश उपाध्याय, रावत समाज सुरेश रावत, रामजी वैष्णव, क्षत्रिय कुमावत समाज हेमेन्द्र, विजय कुमावत, सौमेद्र फनिर्शिंग चेतन वैष्णव, श्री राम बजरंग सेना, कालकामाता मित्र मंडल, अजय सिंह पहल, मंडल, लखारा समाज, सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की ओर से पूरे रास्ते फूलों से स्वागत कर भक्तों के लिए प्रसाद, पानी, मिल्करोज, आईसक्रीम, कोल्ड ड्रींक व फलों वितरण किया गया।

आंख्या का यो काजल, मने करे से गोरी घायल : सपना चौधरी के शो में डोम गिरा, मेला ग्राउंड में मची अफरा-तफरी, निंबाहेड़ा दशहरा मेले में हादसा

24 न्यूज अपडेट

निंबाहेड़ा। राष्ट्रीय दशहरा मेले में सोमवार देर रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया। हरियाणवी डांसर सपना चौधरी की परफॉर्मेंस के दौरान दर्शकों से भरा डोम अचानक ध्वस्त हो गया। हजारों लोग वहां मौजूद थे, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, गनीमत रही कि हादसे में कोई घायल नहीं हुआ।

भीड़ और दबाव से गिरा डोम

सोमवार रात मेले का आठवां दिन था। सपना चौधरी का कार्यक्रम देखने के लिए सामान्य दिनों से कहीं अधिक भीड़ उमड़ी। लोग न केवल डोम के भीतर बैठे थे, बल्कि स्टील स्ट्रक्चर और पोल पर चढ़े हुए थे। इसी दबाव के चलते करीब रात 12 बजे डोम का बायां हिस्सा नीचे आ गिरा।

सपना चौधरी को सुरक्षित निकाला गया

सपना चौधरी ने पौने 12 बजे स्टेज पर परफॉर्म करना शुरू किया। करीब 15 मिनट बाद हादसा हुआ तो तुरंत कार्यक्रम रोक दिया गया। अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों ने सपना चौधरी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया और दर्शकों से शांति बनाए रखने की अपील की। इसके बाद रात के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए।

डोम जमीन से 3 फीट ऊपर अटका

एसडीएम विकास पंचोली ने बताया कि गिरा हुआ डोम करीब 3 फीट ऊपर अटक गया था। इस कारण लोग चोटिल होने से बच गए। ऊपर बैठे और पोल से लटके लोग भी गिरते समय संभलकर अलग हो गए। हादसे के बाद रात में ही डोम को ठीक करने का काम शुरू कर दिया गया।

दशहरा मेले का इतिहास

निंबाहेड़ा का राष्ट्रीय दशहरा मेला 1973 से आयोजित हो रहा है। शुरुआत में यह तीन दिन का होता था, लेकिन अब नगर परिषद द्वारा बड़े स्तर पर इसका आयोजन होता है। इस साल मेला 22 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा।

1 नवंबर से एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें, दिल्ली और बेंगलुरु से जुड़ेगा उदयपुर, इंटरनेशनल फ्लाइटों की राह भी खुलेगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी की हवाई कनेक्टिविटी अब और मजबूत होने जा रही है। एयर इंडिया एक्सप्रेस पहली बार उदयपुर से अपनी सेवाएं शुरू कर रही है। एयरलाइन ने 1 नवंबर 2025 से दिल्ली–उदयपुर और बेंगलुरु–उदयपुर के बीच दो नई फ्लाइटों की घोषणा की है।

राजधानी और साउथ से बेहतर कनेक्टिविटी

फिलहाल उदयपुर से बेंगलुरु के लिए केवल एक फ्लाइट है। नई सेवा शुरू होने के बाद यह संख्या दो हो जाएगी। दिल्ली के लिए मौजूदा पाँच उड़ानों के साथ अब कुल छह फ्लाइटें उपलब्ध होंगी। दिल्ली और बेंगलुरु दोनों इंटरनेशनल हब हैं, जहाँ से एयर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई और सिंगापुर के लिए सीधी फ्लाइटें संचालित होती हैं। इससे उदयपुर के यात्रियों को विदेश जाने में और सहूलियत मिलेगी।

फ्लाइट शेड्यूल

IX 1737 : दिल्ली से रोजाना सुबह 6:55 बजे उड़ान, 8:25 बजे उदयपुर आगमन

IX 1738 : उदयपुर से सुबह 8:55 बजे उड़ान, 10:25 बजे दिल्ली आगमन

IX 2606 : बेंगलुरु से रोजाना सुबह 7:50 बजे उड़ान, 10:10 बजे उदयपुर आगमन

IX 2607 : उदयपुर से सुबह 10:40 बजे उड़ान, दोपहर 1 बजे बेंगलुरु आगमन

इंटरनेशनल उड़ानों की संभावना

एविएशन विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नई फ्लाइटों को अच्छा यात्रीभार मिला तो निकट भविष्य में उदयपुर से दुबई, सिंगापुर, अबूधाबी और कुवैत जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू हो सकती हैं। इन उड़ानों की मांग लंबे समय से उठ रही है।

एयरपोर्ट पूरी तरह सक्षम

डबोक एयरपोर्ट पर 2281 मीटर लंबा रनवे है, जिस पर एयरबस A-320 जैसे बड़े विमान उड़ान भर रहे हैं। नाइट लैंडिंग व टेक-ऑफ की सुविधा के साथ कस्टम और इमिग्रेशन की व्यवस्थाएँ भी उपलब्ध हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर इंटरनेशनल ऑपरेशन के लिए पूरी तरह तैयार है।

40 वर्ष की दुर्घटना-मुक्त सेवा के लिए सोहन लाल सुखवाल सम्मानित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. उत्तर पश्चिम रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक, अजमेर, राजू भूतरा ने उदयपुर सिटी के चीफ लोको इंस्पेक्टर सोहन लाल सुखवाल को सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में मंडल कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 40 वर्षों की दुर्घटना-मुक्त सेवा के लिए स्वर्ण पदक और दुर्घटना मुक्त प्रशस्ति पत्र से नवाजा। यह सम्मान सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। सुखवाल ने अपनी चार दशकों की सेवा के दौरान असाधारण कार्यकुशलता और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। बता दे की सोहनलाल सुखवाल को पूर्व में भी रेल हादसे रोकने पर कई बार सम्मानित किया जा चुका है।

कब तक छिपाओगे सच : डीपीएस जमीन आवंटन घोटाले की जांच रिपोर्ट दबा कर बैठे गए यूडीए के भ्रष्ट अफसर, सूचना आयोग ने फटकारा, 30 दिन में जानकारी देने के आदेश

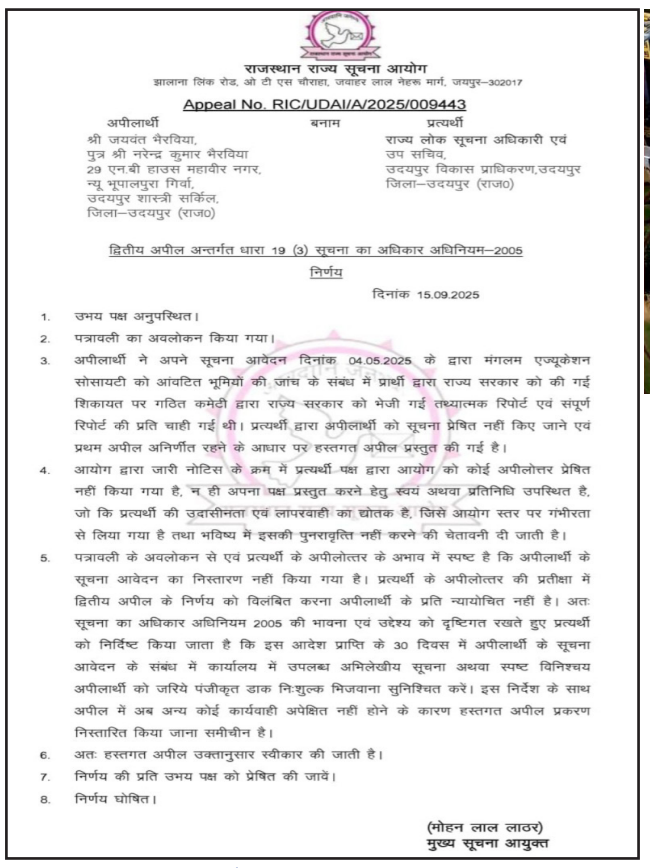

राजस्थान राज्य सूचना आयोग
झालाना लिंक रोड, ओ टी एस चौराहा, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर–302017

Appeal No. RIC/UDAI/A/2025/009443

अपीलार्थी	बनाम	प्रत्यर्थी
श्री जयवंत भैरविया, पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार भैरविया 29 एन.बी हाउस महावीर नगर, न्यू भूपालपुरा गिर्वा, उदयपुर शास्त्री सर्किल, जिला–उदयपुर (राज0)		राज्य लोक सूचना अधिकारी एवं उप सचिव, उदयपुर विकास प्राधिकरण,उदयपुर जिला–उदयपुर (राज0)

द्वितीय अपील अन्तर्गत धारा 19 (3) सूचना का अधिकार अधिनियम–2005

निर्णय

दिनांक 15.09.2025

1. उभय पक्ष अनुपस्थित।
2. पत्रावली का अवलोकन किया गया।
3. अपीलार्थी ने अपने सूचना आवेदन दिनांक 04.05.2025 के द्वारा मंगलम एज्यूकेशन सोसायटी को आंवटित भूमियों की जांच के संबंध में प्रार्थी द्वारा राज्य सरकार को की गई शिकायत पर गठित कमेटी द्वारा राज्य सरकार को भेजी गई तथ्यात्मक रिपोर्ट एवं संपूर्ण रिपोर्ट की प्रति चाही गई थी। प्रत्यर्थी द्वारा अपीलार्थी को सूचना प्रेषित नहीं किए जाने एवं प्रथम अपील अनिर्णीत रहने के आधार पर हस्तगत अपील प्रस्तुत की गई है।
4. आयोग द्वारा जारी नोटिस के क्रम में प्रत्यर्थी पक्ष द्वारा आयोग को कोई अपीलोत्तर प्रेषित नहीं किया गया है, न ही अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु स्वयं अथवा प्रतिनिधि उपस्थित है, जो कि प्रत्यर्थी की उदासीनता एवं लापरवाही का द्योतक है, जिसे आयोग स्तर पर गंभीरता से लिया गया है तथा भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं करने की चेतावनी दी जाती है।
5. पत्रावली के अवलोकन से एवं प्रत्यर्थी के अपीलोत्तर के अभाव में स्पष्ट है कि अपीलार्थी के सूचना आवेदन का निस्तारण नहीं किया गया है। प्रत्यर्थी के अपीलोत्तर की प्रतीक्षा में द्वितीय अपील के निर्णय को विलंबित करना अपीलार्थी के प्रति न्यायोचित नहीं है। अतः सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की भावना एवं उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्यर्थी को निर्दिष्ट किया जाता है कि इस आदेश प्राप्ति के 30 दिवस में अपीलार्थी के सूचना आवेदन के संबंध में कार्यालय में उपलब्ध अभिलेखीय सूचना अथवा स्पष्ट विनिश्चय अपीलार्थी को जरिये पंजीकृत डाक निःशुल्क भिजवाना सुनिश्चित करें। इस निर्देश के साथ अपील में अब अन्य कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं होने के कारण हस्तगत अपील प्रकरण निस्तारित किया जाना समीचीन है।
6. अतः हस्तगत अपील उक्तानुसार स्वीकार की जाती है।
7. निर्णय की प्रति उभय पक्ष को प्रेषित की जावें।
8. निर्णय घोषित।

(मोहन लाल लाठर)
मुख्य सूचना आयुक्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) द्वारा डीपीएस स्कूल की जमीन से जुड़े आवंटन शर्तों और अनियमितताओं पर बनी जांच रिपोर्ट शिकायतकर्ता से छिपाने का मामला गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। राज्य सूचना आयोग ने प्राधिकरण को फटकार लगाते हुए आदेश दिया है कि पूरी रिपोर्ट 30 दिन के भीतर आवेदक को उपलब्ध कराई जाए। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब देश के जाने माने आरटीआई एक्टिविस्ट और पत्रकार जयवंत भेरविया ने डीपीएस स्कूल को आवंटित जमीन की शर्तों की पालना न करने, अनियमितताओं और गड़बड़ियों की शिकायत सीधे राज्य के मुख्य सचिव को भेजी। शिकायत में जमीन आवंटन निरस्त करने की भी मांग की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने उदयपुर विकास प्राधिकरण को जांच आदेश जारी किया। इसके बाद तत्कालीन आयुक्त राहुल जैन ने मंगलम एजुकेशन सोसायटी (डीपीएस) को आवंटित भूमि की जांच के लिए सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया।

जांच कमेटी में शामिल सदस्य

हेमेंद्र नागर-सचिव, प्राधिकरण (अध्यक्ष)
जितेंद्र ओझा-जोन उपायुक्त (सदस्य)
श्रीमती बिंदुबाला-प्रभारी अधिकारी, बिक्री शाखा (सदस्य)
अभिनव शर्मा -तहसीलदार, प्राधिकरण (सदस्य)
बाबूलाल तेली, राजेंद्र सेन और सूरपाल सिंह सोलंकी -भू-अभिलेख निरीक्षक एवं पटवारी (सदस्य)

इस कमेटी ने भूमि आवंटन, मौके पर भूमि की उपलब्धता और शर्तों की पालना की बारीकी से जांच कर 10 दिनों में अपनी तथ्यात्मक रिपोर्ट आयुक्त को सौंपी और राज्य सरकार को भेज दी। लेकिन विवाद यहीं से शुरू हुआ। पत्रकार जयवंत भेरविया ने इस जांच रिपोर्ट की सत्यापित प्रति सूचना के अधिकार (त्ज्प्) के तहत मांगी। नियम के मुताबिक, प्राधिकरण के लोक सूचना अधिकारी हेमेंद्र नागर को 30 दिन में सूचना देनी थी, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। जब प्रथम अपील आयुक्त राहुल जैन के समक्ष की गई, तब भी सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद मामले को राज्य सूचना आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आयोग ने सुनवाई के बाद स्पष्ट आदेश दिए कि प्राधिकरण 30 दिन में रिपोर्ट उपलब्ध कराए।

गंभीर सवाल

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि उदयपुर विकास प्राधिकरण शिकायतकर्ता और आरटीआई आवेदक से जांच रिपोर्ट क्यों छिपा रहा है? यदि रिपोर्ट राज्य सरकार को भेज दी गई थी तो उसे सार्वजनिक करने में क्या आपत्ति है? अब उपर से आदेश आने पर देनी पड़ेगी तो पहले ही क्यों नहीं दे दी। क्या प्राधिकरण के भीतर कहीं भ्रष्ट अफसरों की मिलीगत से राजनीतिक संरक्षण में डीपीएस स्कूल प्रबंधन को बचाने या लाभ पहुंचाने की मंशा तो नहीं है? इस पूरे प्रकरण ने न केवल उदयपुर विकास प्राधिकरण की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं, बल्कि यह भी उजागर किया है कि आरटीआई कानून को लेकर सरकारी दफ्तरों की लापरवाही किस तरह जनता की जानकारी के अधिकार को कुचल रही है। अब देखना होगा कि सूचना आयोग के आदेश के बाद प्राधिकरण सच सामने लाता है या फिर इस मामले में और पेच उलझते हैं।

झालावाड़ पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक : हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन गैंग धराशायी, 1 महिला सहित 13 गिरफ्तार

हनीट्रैप, बीमा फ्रॉड और हथियारों की तस्करी का नेटवर्क उजागर; यूपी व अन्य स्थानों 20 से 25 से अधिक बदमाश जुड़े होने की संभावना

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 30 सितंबर। संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए चली मुहिम में झालावाड़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। महीनों से निगरानी में चल रहे हेमराज सुमन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 1 महिला सहित 13 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह बीमा धोखाधड़ी से लेकर हनीट्रैप, जबरन वसूली और अवैध कारोबार तक में सक्रिय था।

गुप्त सूचना से खुला जाल

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 24 सितम्बर को आसुचना अधिकारी कोतवाली ने एक गोपनीय परिवाद पेश किया था। जिसके अनुसार कुछ आपराधिक व्यक्तियों द्वारा गिरोह बना रखा है, जो ट्रेक्टर व अन्य बडे वाहनो को फाईनेंस पर उठाकर कुछ दिनों बाद ही खुर्द बुर्द करते हुए झूठे चोरी के मुकदमे दर्ज करवाकर लाखो में बीमा राशि उठा लेते है। थाना सारोला का हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन अपने कुछ साथियो व कुछ यूपी के बदमाश लडको के साथ मिलकर उक्त अवैध काम कर रहे है। पुलिस ने तुरंत रणनीति बनाकर कार्रवाई का प्लान तैयार किया। एसपी कुमार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा के निर्देशन में करीब 20 टीमों ने एक साथ झालावाड़, झालरापाटन, सारोला और कोटा में दबिश दी और मुख्य सरगना हेमराज सुमन और उसके साथियों को रंगे हाथों पकड़ा गया।

ये मिला तलाशी में

हेमराज की स्विफ्ट डिजायर कार की तलाशी में डिक्की से पुलिस वर्दी, पुलिस ड्रेस के जूते, लकडी-पाईप व अन्य महिला का बलात्कार के आशय का टाईप शुदा परिवाद और दादिया स्थित मकान की तलाशी में कई बैको के पासबुक-चेकबुक, कई गाड़ियों के मूल दस्तावेज, सम्पति खरीद-फरोख्त सम्बन्धी स्टाम्प, इकरारनामा आदि और 06 अलग अलग वाहनो की नम्बर प्लेटें बरामद किये गये।

गिरोह कई तरह के संगठित अपराधों में शामिल थाः

1. बीमा धोखाधड़ीः गरीब किसानों को बहला-फुसलाकर उनकी जमीन पर लोन दिलवाकर ट्रैक्टर और बड़े वाहन उठवाए जाते। फिर गिरोह खुद ही वाहन खुर्द-बुर्द कर चोरी का मुकदमा दर्ज करवा देता और बीमा कंपनियों से लाखों का क्लेम ठग लेता।
2. हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंगः महिला सदस्यों को शामिल कर प्रभावशाली लोगों को फंसाया जाता। पुलिस वर्दी और हथियारों का खौफ दिखाकर बलात्कार जैसे झूठे मुकदमों की धमकी देकर मोटी रकम ऐंठी जाती।
3. अन्य अपराधः वाहनों के फर्जी कागजात बनाकर बेचना, मादक पदार्थ और हथियारों की तस्करी करना, तथा वाहनों पर नकली नंबर प्लेट लगाकर अवैध धंधों में इस्तेमाल करना।

इन्हें किया गिरफ्तार

पुलिस ने मामले में एक महिला सहित 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनमे हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन (44), मुरारी लाल सुमन (26) और सीताराम मीणा निवासी सारोला, सीमा मीणा निवासी अकलेरा, रियाज (37), सोहेल खान उर्फ घसीट (30), मोहम्मद फारूख खान उर्फ मोनू (33) निवासी झालरापाटन, योगेन्द्र सिह (44) निवासी सारोला हाल कोतवाली झालावाड, लेखराज भील (20) निवासी मण्डावर, पुरूषोतम माली (45) निवासी सारोला हाल आर के पुरम कोटा, अमन (20) व तोसिफ (24) निवासी बोरखेडा कोटा तथा कालू उर्फ कमल मीणा (34) निवासी मोठपुर जिला बारां शामिल है

गिरोह में राजस्थान-यूपी के दो दर्जन से अधिक अधिक बदमाश शामिल

इस संगठित गिरोह में यूपी व अन्य स्थानों के भी 20-25 से अधिक बदमाश जुडे होने की आशंका है। गिरफ्तार हेमराज सुमन, पुरूषोत्तम माली, लेखराज भील, रियाज पठान, सोहेल खान, कालू मीणा और सीमा मीणा के विरुद्ध करीब पांच दर्जन गंभीर प्रकृति के आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

गैंग हाडोती सहित राजस्थान व मध्यप्रदेश में सक्रिय-

अब तक की जांच में झालावाड, बारां सहित राजस्थान व मध्यप्रदेश से सैकडों की संख्या में ट्रेक्टर खुर्द बुर्द करने की जानकारी मिली है जिसके संबंध में अनुसंधान जारी है। गैंग लीडर हेमराज सुमन पूर्व में कई थानों पर हनीट्रेप के मामलों में महिलाओं के साथ गिरफ्तार हो चुका है। हेमराज के घर की तलाशी में भी कई महिलाओं के सगाई और शादी से संबिधित इकरारनामें बरामद हुए है तथा इस मामले में डिटेन के समय कार की डिक्की में अन्य महिला का बलात्कार के आशय का परिवाद भी बरामद हुआ है।

इस संयुक्त कार्रवाई में वृत्ताधिकारी वृत्त झालावाड़, भवानीमंडी के नेतृत्व में थाना कोतवाली, झालरापाटन, रटलाई, पगारिया, सारोला और साइबर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस उपाधीक्षक वृत्त झालावाड हर्षराज सिंह खरेडा व पुलिस उप अधीक्षक वृत्त भवानीमण्डी प्रेमकुमार के नेतृत्व में स्पेशल इवेस्टीगेशन टीम का गठन किया गया है, जो प्रकरण के संबंध में गहनता से अनुसंधान कर रही है।

प्रधानमंत्री की मन की बात नहीं सुनी तो BJP नेता ने पुजारी पर किया हमला, FIR दर्ज

24 न्यूज अपडेट

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र में सोमवार को बीजेपी OBC मोर्चा के अध्यक्ष उदय वराड़े द्वारा दुर्गा मंदिर के पुजारी ऋषि तिवारी पर हमला करने का मामला सामने आया। आरोप है कि पुजारी के प्राइवेट पार्ट पर लात मारी गई और लोहे की रॉड से पीटा गया, जिससे हाथ में गंभीर चोटें आईं।

घटना का पूरा विवरण

पीड़ित पुजारी ऋषि तिवारी, जो EWS कॉलोनी, शिवाजी रेसिडेंसी, कमल विहार सेक्टर में रहते हैं, दुर्गा माता मंदिर से पूजा कर लौट रहे थे। इसी दौरान उदय वराड़े और उनके समर्थक लाउडस्पीकर से प्रधानमंत्री की मन की बात सुन रहे थे। ऋषि ने कार्यक्रम सुनने से मना किया, जिसके बाद आरोपी ने गालियां दीं और लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

FIR दर्ज कराने में रोड़ा

मारपीट के बाद पुजारी थाने पहुंचे लेकिन पुलिस ने FIR दर्ज नहीं की। वे डेढ़ घंटे तक थाने में बैठे रहे। बाद में कांग्रेस नेता पंकज शर्मा को सूचना दी। जब नेता थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग की, तो पुलिस और नेताओं के बीच लगभग तीन घंटे तक बहस और हंगामा चला।

थाने में हुए हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। कांग्रेस नेताओं ने थाने के सामने धरने की चेतावनी दी, जिसके बाद पुलिस ने FIR दर्ज की।

पुलिस की प्रतिक्रिया

CSP राजेश देवांगन ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी उदय वराड़े के खिलाफ FIR दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा चुकी है। मामले की जांच जारी है और दोनों पक्षों से बयान लेने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल FIR सेंसिटिव मोड में रखी गई है।

साइबर ठग गिरोह पकड़ा, 10 करोड़ की ठगी का खुलासाः शहर के पोश इलाके में चला रहे थे ठगी का धंधा, 9 आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 10 करोड़ की ऑनलाइन ठगी का खुलासा किया है। यह करवाई चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना इलाके में साइबर अपराध विरोधी विशेष अभियान के तहत की गई।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने थाना प्रभारी ईश्वर चंद्र पारीक ने बताया कि पुलिस टीम ने ऑनलाइन गेमिंग की लत लगाकर जुए और सट्टे में लोगों को फंसा कर साइबर ठगी करने वाले 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ठगी में प्रयुक्त कुल 31 मोबाइल फोन, 13 एटीएम कार्ड, 5 लैपटॉप, हिसाब-किताब की डायरी, मोबाइल और लैपटॉप चार्जर आदि सामग्री बरामद की है।

आरोपियों ने थाना इलाके में पोश इलाके आशापूर्णा एन्क्लेव स्थित एक बंगले को किराये पर लेकर वहां से अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी हर दिन औसतन 20-25 लाख की ठगी कर रहे थे, जो कि दो महीने से अधिक समय से जारी थी। इस हिसाब से आरोपियों ने 2 महीने में करीब 10 करोड़ की ठगी की है।

ये युवक महाराष्ट्र तथा बिहार राज्यों के विभिन्न जिलों के निवासी है और लगभग पिछले दो माह से उक्त मकान में किरायेदार के रूप में रह रहे थे। गहन पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी MASTER REDDY ANNA 190 व 100PANEL नामक मुख्य वेबसाइट तथा Cricbet99 और 11XPLAY जैसी सहायक वेबसाइटों के माध्यम से संगठित रूप से 350 प्लस ऑनलाइन गेम, किक्रेट मैच में सट्टा, कसीनो, विभिन्न प्रकार के एवियेटर जैसे गेम्स का संचालन कर रहे थे।

ऑनलाइन गेमिंग के जरिए फंसते

आरोपी पहले लोगों को ऑनलाइन गेमिंग के जरिए जुए और सट्टे में फंसाते थे। इसके बाद, जीत की राशि के रिफंड या रिजेक्शन के नाम पर भी धोखाधड़ी करते थे। इस पूरी आपराधिक गतिविधि में कई फर्जी सिम कार्ड और म्यूल बैंक अकाउंट्स का इस्तेमाल हो रहा था।

इनको किया गिरफ्तार

1. सौरभ प्रभाकर तीजारे पुत्र प्रभाकर समधान तिजारे जाति कुनबी उम्र 26 वर्ष निवासी एस एस स्पोर्ट के पास खामगांव पुलिस थाना खामगांव जिला बुलढाना महाराष्ट्र,
2. प्रज्वल भारत काटे पुत्र भारत काटे उम्र 24 वर्ष जाति मराठा निवासी ममदापुर पुलिस थाना अम्बाजोगाई जिला बीड महाराष्ट्र
3. अतुल दिलिप बोराडे पुत्र दिलीप जाति राजपुत उम्र 24 वर्ष निवासी गांव टाकली तहसील नानदुरा पुलिस थाना नानदुरा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र,
4. अक्षय जमाव पुत्र वामन जमाव उम्र 24 वर्ष जाति बेलदार निवासी गांव टांकली तहसील नानदुरा पुलिस थाना नानदुरा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र
5. प्रज्वल देवकुमार लांजेवार पुत्र देवकुमार जाति बोद्ध उम्र 24 निवासी गांव खड़की पुलिस थाना खदान जिला आकोला महाराष्ट्र
6. निखिल राजेश काठे पुत्र श्री राजेश काठे उम्र 24 वर्ष जाति मराठा निवासी गांव गांव नान्दखेड टाकडी तहसील बालापुर जिला आकोला महाराष्ट्र,
7. गणेश दिलीप गायकवाड पुत्र दिलीप जाति कुम्हार उम्र 26 वर्ष निवासी गांव खडकी खडकी पुलिस थाना खदान जिला आकोला महाराष्ट्र
8. राहुल पुत्र मोहन वसीधा पुत्र मोहन दौलतराम वसीता उम्र 27 वर्ष जाति धोबी निवासी बैरक नम्बर 1244 रुम नम्बर 5 वसीटा कोलोनी श्रीराम चौक उल्लास नगर 4 पुलिस थाना विठल्ल वाडी पुलिस स्टेशन जिला ठोणे महाराष्ट्र 9. अरुण कुमार पुत्र रामसोगारत जाति केवट उम्र 27 निवासी गांव सुहथ पुलिस थाना बेहेरा जिला दरंभगा बिहार

दिलावर ने किया डोटासरा पर पलटवार, कहा-वे मेरे अच्छे मगर बेईमान दोस्त, पैसे लेकर करते थे ट्रांसफर

24 न्यूज अपडेट

सीकर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर पलटवार किया है। डोटासरा ने 28 सितंबर को कहा था कि "दिलावर शिक्षा मंत्री हैं, लेकिन शिक्षा का एक भी शब्द नहीं जानते।" दिलावर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "डोटासरा मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन बेईमान दोस्त हैं। वे टीचरों के ट्रांसफर के लिए पैसे लेते थे। यह गुण मेरे में नहीं है।" उन्होंने बताया कि यह जानकारी तब सामने आई जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय टीचरों से ट्रांसफर में रुपए की पुष्टि की गई थी। हाल ही में लक्ष्मणगढ़ से प्रिंसिपल के बड़े पैमाने पर तबादलों पर बोलते हुए उन्होंने कहा, "अच्छे लोगों की जरूरत हर जगह होती है। संत और अच्छे लोग अच्छाई फैलाते हैं, जिससे लोग सही रास्ते पर चलें।" देशी उत्पादों के इस्तेमाल पर दिलावर ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, "हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश प्रोडक्ट विदेशी हैं, जिससे देश के प्रति श्रद्धा कम होती जा रही है। हमें देश में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए।" पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि "पाकिस्तान कुछ नहीं कर पाया, लेकिन चीन ने उसकी मदद की। भारत चुनौतियों को स्वीकार करना जानता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सक्षम है।" दिलावर पिपराली में आयोजित तीन दिवसीय खेल महाकुंभ और सांसद खेल प्रतियोगिता में शामिल होने आए थे। उन्होंने पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई और आशीर्वाद भी दिया।

भ्रष्टाचारियों आयड़ छोड़ो : हत्यारों ने फिर नदी को खड़ा कर दिया मौत के मुहाने पर!! बेशर्मी और नंगेपन की हद!!

"राजा बोला रात है, मंत्री बोला रात है, सिपाही बोला रात है

और मजे की बात यह कि यह सुबह-सुबह की बात है। सुबह-सुबह की बात है।

24 न्यूज अपडेट

दोस्तों, हमारी प्यारी लेकसिटी में जहां पर सड़कों पर गड्ढे अपनी वर्षगांठ मना रहे हैं और लोग सड़कों पर ही गड्ढों के श्राद्ध मनाकर खुद ही रील वायरल कर रहे हैं। वहां पर भ्रष्टाचार और सिस्टम की मिलीभगत से मौत के मुहाने पर खड़ी आयड़ नदी में एक ही दिन में महाविनाश की निशानियां मिटा देने के खेल हो गए हैं। सोचिये जो सिस्टम एक गड्ढा भरने में एक साल से ज्यादा लगा रहा है उसने कैसे मशीनों और मजदूरों की फौज लगा कर आयड़ के फतहपुरा से लेकर पुला व उससे आगे तक नदी के विनाश की निशानियों को एकदम जड़ से मिटा दिया है। 75 करोड़ खर्च करके डकार भी नहीं ले रहे नेता और अफसर हम सबकी और हमारे यहां आने वाले टूरिस्टों की आंखों से वे सब यादें धुमिल कर देना चाहते हैं जो कुछ दिन पहले हमारी आंखों में आंसू और सवालों का कारण बनी हुई थी। नदी में इसी छोर पर गहरे गड्ढे हो गए थे, मंजर खतरनाक हो गए थे। लेकिन जिनके पास गड्ढे भरने का बजट नहीं, उनके पास रातों रात नदी के गड्ढे भरने का बजट आखिर कहां से आ गया?? ये काम किसके इशारें पर हुआ अब यह सवाल सबकी जुबां पर छाया हुआ है।

माल बना कर झोला उठा कर चले गये

आपको बता दें कि भ्रष्ट नेताओं और अफसरों ने मिलकर नदी के बहाव क्षेत्र में मनमानी अंदाज में कंस्ट्रक्शन करवा दिया। हम सबको मीठी गोली और सब्ज बाग दिखाते हुए खुद करोड़ों का रिश्वत का पैसा डकार कर झोला उठा कर चले गए। नतीजा यह हुआ कि नदी नाला बन गई और उसका गुस्सा इस मानसून में फूट पड़ा। माल बनाकर नेता और अफसर चले गए मगर मार झेलनी पड़ी नदी किनारे रहने वालों को। अब कोर्ट के डर से या फिर बेशर्मी और नंगेपन की हद के सबके सामने आने के डर से आनन फानन में बर्बादियों व विनाश के निशान छिपाने का खेल चल रहा है। अब आप और हम जैसे टैक्सपेयर जो नदी के डिजास्टर को झेलने और उस पर चिंन के लिए बचे हैं तो इस नुकसान का हिसाब लेना तो बनता है, उसका ऑडिट करना तो बनता है। हमारा इशारा हर उस नेता की तरफ है जो उदयपुर का मसीहा बनना चाहता है। हमारी उंगली हर उस अफसर पर उठ रही है जो यह समझ रहा है कि भ्रष्टाचार से जुटाए उसके तामझाम उसके मरते दम तक नदी की हत्या के पापों का हिसाब नहीं होने देंगे। आयड़ अब सिर्फ "पॉपुलिस्ट वादों" और ठेकेदारों के प्रॉफिट का गणित बनकर रह गई है। नदी से हमारा जो सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रिश्ता था वह लगभग टूट चुका है। कुछ नादान लोगों की ओर से प्रकृति को प्राइवेट जागीर घोषित कर दिया गया है।

बंद कीजिये मूर्खताएं

नदी विशेषज्ञ साल दर साल चेतावनी दे रहे हैं कि भराव डालना, पत्थर लगाना और बहाव में निर्माण करना, ये सब बेहद रिस्की है। मगर लालच और रिश्वत से इश्क करने वालों को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला हैं। नदी हर साल नई वार्निंग देगी ओर एक दिन ऐसा डिजास्टर मचाएगी कि कोई कुछ कहने-सुनने को बचेगा ही नहीं। आयड़ नदी के डिजास्टर को नॉर्मलाइज करते हुए जो जुमले उछाले जा रहे हैं, समर्थकों के माध्यम से जो भ्रम पैदा किए जा रहे हैं, अगर आप उनके शिकार हैं तो तुरंत यह वीडियो देखना बंद कर दीजिए। और अगर नदी को बचाना चाहते हैं तो प्रशासनिक ढुलमुल रवैये से हुई इस तबाही का हिसाब मांगिये। जिस प्रशासन को आयड़ नदी में एक शव ढूंढने में 23 दिन लग जाते हैं उससे उम्मीद मत कीजिए। ये भ्रष्टाचार के गड्ढों को छिपाने के लिए कहीं भी रोलर चलवा देंगे। कहीं भी बुलडोजर चलवा देंगे। भ्रष्टाचार के रावणों को नदी से मुक्त करवाना है तो जनता को जागना होगा। ये नदी से हटेंगे तभी विजयादशमी सार्थक होगी। आज आयड़ नदी क्राइसिस में है। अगर अब भी नहीं चेते, तो यह नदी हर साल हमें नई आपदाओं से झकझोरती रहेगी। याद रखिये, आयड़ नदी हमारी पीढ़ी के हाथ से निकलती जा रही है।

आप भी बने मुहिम का हिस्सा

इसमें उम्मीदों के कमल खिलने की भूल करना महामूर्खता होगी। आइये। नदी को भ्रष्टाचारियों से मुक्त करवाने का खुद बीड़ा उठाएं। जो लोग सक्षम, संवेदनशील हैं और आने पर्यावरण के प्रति प्रेम रखते है वे इस मामले को तुंरत न्यायालय के संज्ञान में लाएं। जो जमीन पर पुख्ता तरीके से अपनी बात रख सकते हैं वे नेताओं व अफसरों को मजबूर करें कि अब और अत्याचार आयड़ पर हमें बर्दाश्त नहीं होगा। मूर्खताएं बंद कीजिए। नदी को एटीएम मत बनाइये। और जो लोग केवल वैचारिक रूप से समर्थन दे सकते हैं वे हमारी भ्रष्टाचारियों आयड़ छोड़ों की मुहिम को नदी के डिजास्टर के वीडियो बनाकर व रियल टाइम भ्रष्टाचार की मॉनिटरिंग का जिम्मा उठाए। याद रखें हमारे इन प्रयासों से यदि नदी का मूल स्वरूप बचता है तो यही हमारे दौर की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

डूंगरपुरः पुलिस हिरासत में फिर एक मौत, कलेक्ट्री पर जाम, सीसीटीवी फुटेज तुरंत होने चाहिए सार्वजनिक, जन प्रतिनिधि क्यों नहीं कर रहे मांग???

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, डूंगरपुर। चोरी के मामूली आरोप में हिरासत में लिए गए युवक की इलाज के दौरान मौत ने डूंगरपुर पुलिस पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। देवसोमनाथ कलारिया निवासी दिलीप अहारी को शुक्रवार को दोवड़ा थाना पुलिस ने हिरासत में लिया था। थाने में ही उसकी तबीयत बिगड़ी और बाद में जिला अस्पताल होते हुए उसे उदयपुर रेफर किया गया। जहां मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और कलेक्ट्री के बाहर धरना-प्रदर्शन कर जाम लगा दिया। भीड़ का कहना है कि हिरासत में दिलीप की तबीयत अचानक बिगड़ना महज संयोग नहीं हो सकता, बल्कि पुलिस की सख्ती और मारपीट का नतीजा है। इस सवाल का जवाब अब तक पुलिस और प्रशासन के पास नहीं है कि आखिर हिरासत में रहते हुए युवक की तबीयत इतनी क्यों बिगड़ी कि उसे लगातार अस्पतालों में भटकते हुए जान गंवानी पड़ी। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए बीएपी के आसपुर विधायक उमेश डामोर और सांसद राजकुमार रोत मौके पर पहुंचे और परिजनों की मांगों का समर्थन किया। दोनों जनप्रतिनिधियों ने कहा कि दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, साथ ही मृतक के परिवार को सरकारी नौकरी और उचित मुआवजा दिया जाए। सांसद रोत ने यहां तक मांग की कि परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा और एक सदस्य को नौकरी दी जाए। मृतक की मौत ने पुलिस हिरासत में होने वाली पूछताछ की पद्धति और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या पूछताछ के दौरान मेडिकल प्रोटोकॉल का पालन किया गया? क्या युवक को हिरासत में रहते समय समय पर चिकित्सकीय सुविधा दी गई? और सबसे अहम है कि क्या पुलिस की ओर से थर्ड डिग्री या मारपीट की गई, जैसा कि परिजन आरोप लगा रहे हैं? ये सभी प्रश्न अब जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच गूंज रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्ट्री के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और प्रशासनिक अधिकारी प्रदर्शनकारियों से लगातार वार्ता कर रहे हैं।

हालांकि, परिजनों का कहना है कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। यह घटना न केवल पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है, बल्कि यह भी दिखा रही है कि हिरासत में किसी आरोपी की जान जाना कानून व्यवस्था पर सीधा धब्बा है।

जनप्रतिनिधि सीसीटीवी फुटेज पर मौन क्यों

इस मामले में जन प्रतिनिधियों ने अब तक सीसीटीवी फुटेज की मांग नहीं की है। इससे मिलीभगत का अंदेशा हो रहा है। यदि सीसीटीवी को जनता के पैसोंसे लगाया गया है व सुप्रीम कोर्ट तक इसे देने के आदेश दे चुका है कई बार तो इस मामले में पुलिस खुद सीसीटीवी जनता के सामने क्यों नहीं रख रही है यह बड़ा सवाल उठ रहा है।

उदयपुर सिटी-कोलकाता सुपरफास्ट का समय बदला, उत्तर पश्चिम रेलवे ने 20 रेलसेवाओं में किए परिवर्तन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और संचालन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कई प्रमुख रेलसेवाओं के समय में बदलाव किए हैं। इनमें सबसे अहम परिवर्तन उदयपुर सिटी-कोलकाता सुपरफास्ट (गाड़ी संख्या 12316) में किया गया है। यह गाड़ी 6 अक्टूबर 2025 से उदयपुर सिटी से अपने निर्धारित समय पर प्रस्थान करेगी, लेकिन जयपुर स्टेशन पर इसके ठहराव का समय अब पूर्व निर्धारित 09.05 बजे आगमन और 09.15 बजे प्रस्थान की बजाय 08.30 बजे आगमन और 08.40 बजे प्रस्थान कर दिया गया है। यानी जयपुर पहुंचने का समय लगभग आधा घंटा पहले कर दिया गया है। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि उदयपुर की इस प्रमुख रेलसेवा के अलावा कुल 20 रेलगाड़ियों के संचालन समय में आंशिक परिवर्तन किए गए हैं। इनमें बाड़मेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस, बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस, भुज-बरेली एक्सप्रेस, फुलेरा-जयपुर सवारी गाड़ी, बाड़मेर-जम्मूतवी एक्सप्रेस, भोपाल-जयपुर, अजमेर-गंगापुर सिटी डेमू, हिसार-बीकानेर, तिरुपति-हिसार, बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर, हिसार-दिल्ली, दिल्ली सराय-बीकानेर, दिल्ली सराय-सीकर, बीकानेर-हरिद्वार, हरिद्वार-बीकानेर, जोधपुर-दिल्ली सराय, बाड़मेर-जोधपुर सवारी गाड़ी और दिल्ली-रेवाड़ी सवारी गाड़ी शामिल हैं। इनमें से कुछ गाड़ियों के मार्ग के बीच पड़ने वाले स्टेशनों पर ठहराव का समय बदला गया है, वहीं कुछ के जयपुर, हिसार और जोधपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर आगमन और प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है। उदाहरण के लिए, भोपाल-जयपुर रेलसेवा अब 30 सितम्बर से जयपुर में पूर्व समय 09.35 बजे के स्थान पर 09.50 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार बाड़मेर-जोधपुर सवारी गाड़ी जो पहले 23.15 बजे जोधपुर पहुंचती थी, अब 23.30 बजे पहुंचेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पूर्व अपने गंतव्य और मार्ग के स्टेशनों पर नई समय-सारणी की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

बांसवाड़ा में दिल दहला देने वाली वारदातः 58 वर्षीय महिला की सिर कुचलकर हत्या, गहने लूटकर फरार हुए बदमाश; ग्रामीणों का धरना, परिजनों को मुआवजे की मांग

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। जिले के आनंदपुरी थाना क्षेत्र के छाजा गांव स्थित ब्राह्मण मोहल्ले में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब 58 वर्षीय विधवा महिला की खून से लथपथ लाश उसके ही घर की रसोई में पड़ी मिली। महिला का सिर किसी भारी हथियार से कुचला हुआ था और गला धारदार हथियार से काटा गया था। घर से सोने-चांदी के गहने भी गायब मिले हैं।

दूध वाले ने खोला हत्या का राज

सुबह रोज की तरह दूध देने आए युवक ने घर का दरवाजा खुला देखा। भीतर गया तो रसोई में खून ही खून फैला हुआ था और महिला मृत पड़ी थी। यह दृश्य देख वह दहशत में चिल्लाया और पड़ोसियों को बुला लिया। सूचना तुरंत पुलिस तक पहुंची। मृतका की पहचान कलावती पंड्या (58) पत्नी सुरेंद्र पंड्या के रूप में हुई है। वह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थी और पति की कुछ वर्ष पूर्व मौत हो चुकी थी। दो बेटे बाहर नौकरी करते हैं। बड़ा बेटा अमित पंचायत समिति में संविदा पर कार्यरत है, जबकि छोटा बेटा जयेश घाटोल में प्राइवेट जॉब करता है। कलावती अकेली घर में रह रही थी।

सिर कुचलकर हत्या, गहने लूटे

आनंदपुरी थाने के एएसआई रतनलाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया बदमाश चोरी के इरादे से घर में घुसे और महिला का विरोध करने पर किसी भारी वस्तु से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। महिला के हाथों में सोने की चूड़ियां, गले की चेन और कान के झुमके थे, जो वारदात के बाद गायब मिले हैं। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और पुलिस ने हत्या व लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुस्साए ग्रामीणों का धरना

घटना के बाद पूरे मोहल्ले में आक्रोश फैल गया। परिजन और ग्रामीणों ने कस्बे में धरना-प्रदर्शन कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। लोगों ने कहा कि 24 घंटे के भीतर हत्यारों को पकड़ा जाए, अन्यथा वे चक्का जाम करेंगे। ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मृतका के परिजनों को न्याय और मुआवजा दिलाने की मांग की। इसमें परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 15 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की बात कही गई है।

प्रशासन अलर्ट, माहौल तनावपूर्ण

मौके पर एसडीएम बाबूलाल, तहसीलदार नारायण लाल, नायब तहसीलदार अनिल ताबियार, डीएसपी संदीप शक्तावत सहित भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से बातचीत कर शांत रहने की अपील की है।

धर्मपथ पर चलने से ही जीवन का कल्याण संभव : आर्यिका चंद्रमती वागड़ गौरव आर्यिका चंद्रमती को दिया वागड़ आगमन का निमंत्रण

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा ,वागड़ गौरव आर्यिका रत्न चंद्रमती माताजी ने कहा कि मनुष्य धर्म पथ पर चलकर ही जीवन का कल्याण कर सकता है । आर्यिकाश्री खेरवाड़ा ऋषभदेव जैन समाज के सदस्यों को धर्म सभा के माध्यम से संबोधित कर रही थी। समाजसेवी पारस जैन व दिगंबर जैन समाज के महामंत्री भूपेंद्र कुमार कोठारी के नेतृत्व में बड़ा गांव बागपत उत्तर प्रदेश गए इस दल ने ऋषभदेव में जन्मी आर्यिका रत्न चंद्रमती माताजी को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा वागड क्षेत्र के प्रवास पर आगमन का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में आर्यिका श्री ने कहा कि मनुष्य को प्रतिदिन देव दर्शन करना, स्वाध्याय व ईश्वर की पूजा अर्चना करने का नियम लेना चाहिए। धर्म पथ ही मानव कल्याण का सर्वोत्तम मार्ग है। मनुष्य जीवन में अच्छे कार्य कर ही अपनी पहचान बना सकता है ,अन्यथा बुरे कार्य करने वाले को कोई याद नहीं करता है ।

धर्म सभा में शिक्षा विद सतीश चंद्र भाणावत, पीयूष मेहता, कुलदीप जैन, दिलीप भाणावत, प्रदीप कोठारी, दिनेश जैन मुंबई, हसमुख जैन, दिनेश कोठारी, विजय वानावत, मनोज कोठारी, संजय जैन, निलेश जैन, शैलेश पंचोली, अनिल भंवरा, महेंद्र कोठारी, नरेंद्र कुमार तेजियोत, महावीर नोगामा, रमेश बोहरा सहित समाज जन उपस्थित थे। संचालन भूपेंद्र कुमार जैन ने किया तथा आभार पारस जैन ने ज्ञापित किया। इस दौरान आर्यिका चंद्रमती ने समाज जनों को आश्वस्त किया कि वह आगामी दिसंबर माह में बड़ा गांव बागपत से विहार कर वागड़ के प्रसिद्ध तीर्थ नागफणी पारसनाथ, ऋषभदेव, खेरवाड़ा आदि क्षेत्रों के प्रवास पर आएंगी ।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।